राष्ट्रीयता की प्रेरणा का विलक्षण केंद्र और एकता का प्रतीक है। भारत माता मंदिर देशी-विदेशी पर्यटकों एवं सभी के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मंदिर के मुख्य द्वार पर पूरा "वंदे मातरम्" गीत अंकित है। परंतु यह मंदिर संरक्षण के अभाव में क्षतिग्रस्त हो रहा है। प्रकाश की व्यवस्था न होने के कारण यह मंदिर शाम को ही बंद करना पड़ता है। मंदिर में लिपियों का इतिहास प्रदर्शित करने वाले कई चित्र मंदिर की दीवारों पर अंकित हैं, जो अब धीरे-धीरे मिटते जा रहे हैं। राष्ट्रीय एकता व सम्प्रभुता की प्रतीक इस धरोधर को बचाना अत्यंत आवश्यक है।

अतः मेरा सुझाव है कि सरकार इस मंदिर को संरक्षण प्रदान करे।

Demand for preservation and proper utilization of the Amarda Airstrip in Orissa

MS. SUSHILA TIRIYA (Orissa): In 1940, during the British rule, Amarda-Airstrip which was built to face the Second World War, from where the British defence used to launch, take up the bomber and other such aircraft, was and is the largest in Asia, having 70 k.m. runway within the area of 800 acres of land.

During the Second World War, this airfield was the routeway of Nationalist Armies of China to fight against the Japanese through the North East over Arunachal and East Tibet.

The British Royal Air Force, B-24 liberator four engine bombers EW-225, EW-247, all fighter planes were based at Amarda Road Airfield. Air Fighting Training Institute was also there for flying exercise.

The strong inbuilt airstrip is still fit and ready to be used but is neglected and lying unused. The whole infrastructure, runways, hangers and other basic needs stands free from encroachment. But it cannot remain safe if the Government of India will not take it over.

This structural resource can be used as a Defence training base, as it is closely situated to Chandipur, Koleikonda Defence Airbase.

According to my knowledge, after verification of the airfield, the then Defence Minister had a proposal and sanctioned a Defence training academy to meet the present need of the Air Force but it was shifted to other place, this national property can be utilized for the national interest. As this entire area is situated in the tribal populated area, this tribal talent can be also streamlined. So, I demand for preservation and utilization of the airstrip as a Defence Training Institute or an Air Training Academy must be established to train youths.

Demand to replace the defective water meters of the residents of Sector 9, R.K. Puram in Delhi

श्रीमती झरना दास बैद्य (त्रिपुरा): महोदय, मैं आपके माध्यम से पानी के बंद या खराब मीटरों की समस्या की ओर ध्यान दिलाना चाहती हूं, जिसके परिणामस्वरूप दिल्ली में मुख्यतः सैक्टर 9,

रामकृष्णपुरम कालोनी में रहने वाले निवासियों के पानी के बिल बहुत अधिक आ रहे हैं। इन मीटरों की रीडिंग नहीं होती है तथा मीटर खराब हो गए हैं, इस सबके बावजूद जल बोर्ड बिल ज्यादा चार्ज कर रहा है। आर.के. पुरम एक सरकारी कालोनी है। वहां जल-कर ही जमा होता है, परन्तु दिल्ली जल बोर्ड की गलती से वहां सीवर चार्ज भी बिलों में लगा कर भेजा जा रहा है, जो सरासर गलत है। बगैर सीवर चार्ज के बिल जमा नहीं हो पा रहे हैं।

मैं माननीय मंत्री जी से मांग करूंगी कि सैक्टर ९, आर.के. पुरम कालोनी में पानी के बंद या खराब मीटरों को तुरंत बदलवाया जाए व सीवर-कर हटा कर, मीटर की सही रीडिंग करके सभी निवासियों को बिल भेजे जाएं। समस्या का तुरंत निराकरण किया जाए।

Demand to make strict laws to check the increasing number of accidents due to rash driving in the country

श्री नरेन्द्र कुमार कश्यप (उत्तर प्रदेश): महोदय, शहरीकरण के परिणामस्वरूप हमारे देश में सड़कों पर वाहनों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। सरकारी वाहनों के साथ-साथ गैर-सरकारी (निजी) वाहनों की संख्या में हो रही अत्यधिक वृद्धि से पैदल यात्रियों तथा सड़क का उपयोग करने वाले अन्य व्यक्तियों के लिए सड़कें बहुत ही असुरक्षित बन गई हैं। लोगों द्वारा शराब के नशे में उतावलेपन से तथा उपेक्षापूर्ण ढंग से वाहनों के चलाने से यह समस्या और अधिक बढ़ जाती है। हमारे देश में सड़क दुर्घटनाओं के परिणामस्वरूप प्रति वर्ष लाखों लोगों की मृत्यु होती है। इस खतरे ने विशेष रूप से महानगरों में चिन्ताजनक रूप धारण कर लिया है। यातायात के संके तकों तथा अनुदेशों का उल्लंघन करने, तेज रफ्तार से वाहन चलाने के कारण सड़कों पर होने वाली झड़पें, नशे में वाहन चलाने आदि की घटनाएं आम हो गई हैं और दिन-प्रतिदिन उनकी संख्या में वृद्धि हो रही है।

सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती हुई संख्या को लेकर जनता में व्यापक रूप से रोष व्याप्त है। वर्तमान दण्डात्मक उपबन्धों के अधीन इन अपराधों पर भारतीय दण्ड संहिता की धारा 279, 284 और 304क के अधीन कार्यवाही की जाती है और इन कृत्यों के लिए दिया जाने वाला दण्ड किए गए अपराध की गम्भीरता के समनुरूप नहीं होता है। किसी कठोर कानून ढांचे के अभाव में उतावलेपन से तथा उपेक्षापूर्ण ढंग से वाहन चलाने वाले व्यक्ति आसानी से छूट जाते हैं। इसी प्रकार की स्थिति नशे में वाहन चलाने में लिप्त व्यक्तियों के मामले में है। उतावलेपन से तथा उपेक्षापूर्ण ढंग से अथवा नशे की हालत में वाहन चलाने में लिप्त व्यक्ति जान-बूझ कर सड़क पर चलने वाले अपने साथियों के जीवन को संकट में डालते हैं और इसलिए उनके साथ सख्ती से निपटे जाने की आवश्यकता है। अतः अब यह उचित समय है कि भारतीय दण्ड संहिता, 1860 में संशोधन करके एक ऐसा कठोर कानून लाया जाए, जो इस प्रकार के अपराधों के लिए भयप्रतिकारी के रूप में काम कर सके। यह अपराध संज्ञेय और गैर-जमानती हो और उसमें मृत्यु-दण्ड अथवा आजीवन कारावास की सजा के प्रावधान के साथ-ही-साथ वह जुर्माने का भी दायी हो।

Concern over the huge losses incurred due to failed trials to introduce double decker air conditioned trains in Howrah-Asansol route

SHRI PRASANTA CHATTERJEE (West Bengal): Sir, in her Budget Speech, the Union Minister for Railways had promised to introduce a air-conditioned double-decker train on the Howrah-Assansol route. Accordingly, the Rail Coach Factory, Kapurthala produced a ten-bogie A.C. double-decker train at a cost of Rs.50 crores. The Railway Designs and Standards